दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 03-02-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि खींचन ने कहा कि प्रत्येक जीव को समान मात्रा में समय मिला है और वर्तमान एक सुअवसर है। स्वर्णिम अवसर है।

सात साल में मेरे लाडले के हाथ में होगा देश का नेतृत्व : चिन्मयानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहजहांपुर। पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानंद ने शुक्रवार को कहा कि सात साल में इस देश का नेतृत्व ऐसे व्यक्ति के हाथों में होगा जो मेरा लाडला होगा। यौन शोषण के मामले में साक्ष्य के अभाव में अदालत से दोषमुक्त किए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को यहां मुमुक्षु आश्रम के सभागार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान चिन्मयानंद ने कहा कि देश बदल रहा है और आने वाला परिवर्तन निश्चित ही सकारात्मक होगा। सात साल के अंदर इस देश का नेतृत्व ऐसे व्यक्ति के हाथों में होगा जो मेरा लाडला होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट नहीं किया कि उनका वह लाडला कौन होगा।

स्वामी ने यह भी कहा कि मैं जहां हूं, जितना हूं, बिना राजनीतिक पद के, बिना दायित्व के वह सभी काम मैं कर सकता हूं, जो एक राजनीतिक व्यक्ति कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपना करीबी रिश्ता जाहिर करते हुए चिन्मयानंद ने कहा कि मैंने एक सफर में कहा था कि योगी आदित्यनाथ आप गोरखपुर को द्वारकापुरी बना रहे हैं तो मैं शाहजहांपुर को सुदामा पुरी बनाना चाहता हूं। चिन्मयानंद ने कहा मेरा सपना था और मैं संबंधों का लाभ शाहजहांपुर को देना चाहता था लेकिन नहीं दे सका।

उन्होंने नाम लिए बगैर अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिले को जो भी लाभ मिलने थे, उन्होंने वे खुद हासिल कर लिए, जबकि जनता को कम ही लाभ मिले हैं। अदालत के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हम न्यायालय का सम्मान करते हैं तथा आज हम सभी पापों से, आरोपों से तथा आक्षेपों से बरी हैं। उन्होंने कहा कि झूठे आरोप के जरिए हमारे कदमों को रोका गया लेकिन मैंने मुमुक्षु शिक्षा संकुल को स्वामी शुकदेवानंद राजकीय विश्वविद्यालय बनवाने की लड़ाई जारी रखी और इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के मौजूदा सत्र में इसे विश्वविद्यालय बनाने का प्रस्ताव पेश हो सकता है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि मैंने शिक्षा संस्थान को उच्च शिखर पर पहुंचाने की कोशिश की और न्यायालय ने भी मामलों में बरी करके उन लोगों की जुबान बंद कर दी जो हमें इस घृणित आरोप में अपमानित करने की कोशिश कर रहे थे। चिन्मयानंद ने कहा कि न्यूयॉर्क में एक पर्चा बांटा गया था जिसमें हमारा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो लगाया गया था तथा इस दुराचार (जिस मामले में अदालत से बरी हुए) की पूरी कहानी लिखी गई थी।

उन्होंने कहा कि 2011 से मेरा पासपोर्ट जब्त कर लिया गया था जिसके चलते हम अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग नहीं ले पाते हैं जबकि हम प्रतिवर्ष कम से कम दो विदेश यात्राएं करते थे। चिन्मयानंद ने कहा कि हमें बदनाम करने के लिए हमारे विधि कॉलेज को निशाना बनाया गया और इस घृणित कार्य से इसकी छवि खराब करने तथा नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री तथा मुमुक्षु आश्रम के संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद के खिलाफ उन्हीं के कॉलेज में पढ़ाने वाली उनकी एक शिष्या ने वर्ष 2011 में यौन शोषण का मामला दर्ज कराया था। चिन्मयानंद सरस्वती के अधिवक्ता फिरोज हसन खान ने 'पीटीआई-भाषा' को बृहस्पतिवार को बताया था कि स्थानीय सांसद-विधायक अदालत के अपर जिला न्यायाधीश एहसान हुसैन ने बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई करते हुए साक्ष्य के अभाव में स्वामी चिन्मयानंद को बरी कर दिया है।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैतारण के भूम्बलिया गांव निवासी पृथ्वीराज उपाध्याय के पुत्र एवं बेंगलूरु के सेनेटरीवेयर क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायी महेंद्र उपाध्याय (जय माताजी एन्टरप्राइज) के अनुज चि. जितेंद्र का शुभ विवाह घनश्याम नाबरिया की पुत्री सौ.कां.दीक्षा के साथ 31 जनवरी को हर्षोल्लास से संपन्न हुआ जिसमें रिश्तेदारों, परिजनों के अलावा बेंगलूरु और राजस्थान से भी अनेक प्रतिष्ठितजन शामिल हुए। आहोर के विधायक छगनसिंह राजपुरोहित ने भी समारोह में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया।

वर्तमान सुअवसर है भविष्य निर्माण के लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि खींचन ने कहा कि प्रत्येक जीव को समान मात्रा में समय मिला है और वर्तमान एक सुअवसर हैं। स्वर्णिम अवसर है। यही हमारे भविष्य के निर्माण का मौका होता है। परंतु हम स्वयं को भूतकाल के संस्कारों से स्वयं को मुक्त नही कर पाते हैं और भविष्य की नकारात्मक कल्पनाओं से स्वयं की प्रगति को स्वयं ही रोक देते हैं। अनादि काल से हम यही करते आ रहे हैं।

मुनिश्री विनयजी ने कहा कि प्रत्येक समय अनमोल दुर्लभ और मूल्यवान होता है। हमे अपने वर्तमान को व्यवस्थित करना है। सच्चा साधक वर्तमान में रमण करता हैं और मात्र स्वयं को सुधारने की साधना करता हैं। सुंदर वर्तमान और श्रेष्ठ भविष्य के लिए भूत के सारे चिंतन से हमे मुक्त रहना चाहिए। आगे का विचार करने वाला ही विचक्षण होता है। बार बार भूत को कुरेदने के कारण ही अनेक सामाजिक भौगोलिक और राजनैतिक समस्याएं पनप रही है और संघर्ष थम नहीं रहा हैं। भूतकाल को देखने से कई बार मार्मिक प्रसंग बन जाते हैं। अलसूर जैन श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मुनिजी का शनिवार का प्रवचन महावीर भवन अलसूर में आयोजित रहेगा ।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बनशंकरी स्थित अम्मा देवस्थान कविका लेआउट द्वारा आयोजित वार्षिक जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में मारूति मेडीकल के महेन्द्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु। जीतो लेडीज विंग मैसूरु की सदस्यों ने टीनरसीपुरा की चावल मिल महावीर इंडस्ट्रीज का दौरा किया। चेयरपर्सन मोना भटेवरा, मुख्य सचिव रजनी डागलिया, उपाध्यक्ष सपना गांधी, खाजांची सरिता बागमार, संयुक्त सचिव मीनाक्षी कोठारी सहित अनेक सदस्याओं ने चावल मिल का दौरा किया। सुनील कुमार भटेवरा ने मिल की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

उत्तराखंड विधानसभा अगले सप्ताह यूसीसी के मसौदे पर चर्चा करेगी : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली एक समिति द्वारा उन्हें सौंपे गए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मसौदे पर चर्चा के लिए विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाया गया है।

यहां उत्तराखंड सदन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि विशेष सत्र सोमवार से शुरू होगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, समिति ने आज चार खंड में यूसीसी के मसौदे के साथ लगभग 749 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी। इसे चर्चा के लिए छह फरवरी को राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। धामी ने कहा कि राज्य का कानून विभाग और संसदीय कार्य विभाग भी समिति की रिपोर्ट और यूसीसी के मसौदे का अध्ययन करेगा।

यूसीसी के मसौदे पर चर्चा के बाद राज्य में इसे लागू करने के लिए विधेयक लाया जाएगा। धामी ने संवाददाताओं से कहा, हमने राज्य चुनावों के बाद यूसीसी लाने का वादा किया था। हम इसे पूरा करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने (भारतीय जनता पार्टी के) अपने शीर्ष नेतृत्व से प्रेरणा लेकर ऐसा किया है। धामी ने कहा, निश्चित रूप से यह अच्छे के लिए हो रहा है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि अन्य राज्य भी इसका अनुसरण करेंगे।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन एवं टीम युवा शक्ति द्वारा बेंगलूरु लायन्स सर्विस ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 90 से अधिक सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया। सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित शिविर में रक्तदान हेतु सदस्यों का तांता लगा रहा।

डी के सुरेश को सांसद बने रहने का कोई हक नहीं : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता डी के सुरेश को एक मिनट भी सांसद बने रहने का अधिकार नहीं है और साथ ही उसने आरोप लगाया कि वह खुलेआम भारत को तोड़ने की बात कर रहे हैं, जो कि देश की एकता व संप्रभुता की रक्षा करने की उनकी शपथ का उल्लंघन है।

भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, क्या राजनीतिक लाभ के लिए देश की एकता और संप्रभुता की धज्जियां उड़ाई जाएंगी। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा उनके सहयोगी दलों पर सुरेश की 'शर्मनाक और असंवैधानिक' टिप्पणियों पर 'चुप्पी' साधे रखने के लिए निशाना साधा। बेंगलूरु ग्रामीण से सांसद और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के भाई डी के सुरेश ने यह दावा कर विवाद खड़ा कर दिया है कि कर संग्रह में हिस्सेदारी के आवंटन में दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय हो रहा है। सुरेश ने बृहस्पतिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम बजट पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमारा कर का पैसा उत्तर भारत में वितरित किया जा रहा है, अगर हम इसकी निंदा नहीं करते हैं तो ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां हमें एक अलग राष्ट्र की मांग करनी होगी। प्रसाद ने कहा कि चुनाव लड़ने से पहले और जीतने के बाद, कोई भी संविधान और देश की एकता और संप्रभुता के प्रति निष्ठा की शपथ लेता है।

'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकले राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कथित तौर पर वह देश को एकजुट करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन अब वह अपनी ही पार्टी के सांसद की टिप्पणियों से पल्ला झाड़ रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस के नेता नियमित रूप से भाजपा पर संविधान का उल्लंघन करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तानाशाह कहकर उन्हें 'गाली' देने का काम करते हैं तथा आरोप लगाते हैं कि वह भविष्य में चुनाव नहीं होने देंगे, लेकिन उनके ही सांसद ने जब संविधान विरोधी टिप्पणी की है, तो विपक्षी नेताओं ने चुप्पी साध ली है।

राज्यसभा में उठा छात्रों की आत्महत्या का मुद्दा, जागरुकता अभियान चलाने की मांग की गई

नई दिल्ली/भाषा। छात्रों की आत्महत्या का मुद्दा उठाते हुए राज्यसभा में शुक्रवार को कांग्रेस के एक सदस्य ने मांग की कि इस बारे में जागरुकता अभियान चलाया जाना चाहिए और शिक्षकों को भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे छात्रों को मानसिक दबाव और निराशा से बाहर निकाल सकें।

शून्यकाल के दौरान कांग्रेस के राजीव शुक्ला ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह एक गंभीर समस्या है और इसे केवल सरकार या राज्य सरकारों के ऊपर ही नहीं डाला जा सकता। उन्होंने कहा, इसके लिए पूरे समाज को सोचना चाहिए। करीब 3,5000 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। इसकी वजह यह है कि कोई फेल हुआ या कोई अपेक्षित अंक नहीं ला पाया। शुक्ला ने कहा, प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने परीक्षा पे चर्चा में जिक्र किया कि माता-पिता भी छात्रों पर दबाव डालते हैं जिसकी वजह से छात्र मानसिक रूप से दबाव में आ जाते हैं।

उनके अनुसार, हाल ही में एक सर्वे में पता चला कि दबाव, असफलता का डर, मानसिक तनाव, समर्थन का अभाव, आर्थिक कारण सहित कुल सात कारक आत्महत्या की मुख्य वजह होते हैं। उन्होंने कहा, कोचिंग संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेषज्ञ रखे जाने चाहिए। संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेषज्ञ रखना अनिवार्य होना चाहिए। शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे छात्रों को निराशा के दौर से निकाल सकें। व्यापक स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जाना चाहिए। शुक्ला ने कहा ''साथ ही छात्रों को यह समझाया जाना चाहिए कि फेल होने से सब कुछ खत्म नहीं हो जाता। साथ ही फर्स्ट ऐड की व्यवस्था होना चाहिए।

भाजपा के नबाम रेबिया ने अरुणाचल प्रदेश के लिए प्रशासनिक अधिकारियों का एक अलग कैडर स्थापित किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राज्य अरुणाचल है लेकिन उसके पास प्रशासनिक अधिकारियों का कैडर नहीं है। उन्होंने कहा, वहां अधिकारियों का तबादला होता है और फिर वह चले जाते हैं जिससे राज्य के विकास पर असर पड़ता है।

आराधना से ही आत्मा रूपी फूल खिल सकता है : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। यहां श्री आदिनाथ श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरजी म. सा. ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान में जो भी समस्या है उसे हमें ही आज सुलझाना पड़ेगा। पहले क्या हुआ उसे भूलकर वर्तमान में जो हो रहा है उसका संज्ञान लेना पड़ेगा। हमें अज्ञानता और मूर्खता को लौटते हुए हमें वर्तमान में अच्छा कार्य करते हुए अच्छे सुनहरे भविष्य की कल्पना के साथ कार्य को अंजाम देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'अच्छे बीज अगर हम बोएंगे तो फल भी अच्छा ही प्राप्त होगा। आज हमें नफरत, अज्ञानता के पाप के बीच नहीं बोएंने हैं। आज दया, करुणा, दान, परोपकार, संयम, तप, सुसंस्कारों के बीज हमें डालेंगे तो फिर ही आत्मा में बेहतरीन खिला हुआ फूल हो सकता है और सारी दुनिया इसकी सुगंध ले रही होगी। आत्मा रूपी फूल को खिलाने के लिए साधना हमें आराधना की करनी होगी। आराधना हम सभी को करनी चाहिए।

आर्द्र भूमियों को बचाने के मामले में भारत से बहुत कुछ सीख सकती है दुनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। स्विटजरलैंड स्थित रामसर कन्वेंशन की महासचिव मुसोंडा मुंबा ने शुक्रवार को कहा कि आर्द्र भूमियों को बचाकर जैव विविधता के संरक्षण के मामले में दुनिया भारत से बहुत कुछ सीख सकती है। मुंबा ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर इंदौर के सिरपुर तालाब के किनारे आयोजित कार्यक्रम में कहा,आर्द्र भूमियों को बचाकर जैव विविधता संरक्षण के लिए भारत में काफी काम हो रहा है। दुनिया भारत से इस मामले में बहुत कुछ सीख सकती है। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की कि वे आर्द्र भूमियों के संरक्षण की कहानियों को दुनिया से साझा करें। भारत में अधिसूचित रामसर स्थलों की तादाद हाल ही में 75 से बढ़कर 80 होने के लिए मुंबा ने केंद्र सरकार को बधाई दी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

उन्होंने कहा,भारत सरकार 1982 में रामसर कन्वेंशन से जुड़ी थी। शुरुआत में भारत में राजस्थान के केवलादेव (राष्ट्रीय उद्यान) और उड़ीसा की चिल्का झील के रूप में केवल दो रामसर स्थल अधिसूचित थे। आज देश में ऐसे स्थलों की तादाद बढ़कर 80 पर पहुंच गई है। मुंबा ने विस्तृत जानकारी दिए बगैर कहा,हमारे पास भारत के लिए एक तोहफा है। इसके खुलासे के लिए हमें थोड़ा वक्त दीजिए। उन्होंने आर्द्र भूमियां और मानवीय कुशल-क्षेम विषय पर आधारित कार्यक्रम में कहा कि वह पहली बार भारत आई हैं और जल स्त्रोतों के संरक्षण को लेकर देश के इतिहास के बारे में जानकर चमत्कृत हो गई हैं।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इंदौर को जल्द ही आर्द्र भूमि वाले शहर का दर्जा देगी। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान यादव की जुबान फिसल गई और उन्होंने जगदीशचंद्र बोस के बजाय हरगोविंद खुराना को पौधों में जान होने की बात प्रयोग के जरिये साबित करने वाला वैज्ञानिक बता दिया। मुख्यमंत्री ने कहा,पौधों में प्राण बताने के लिए लंदन में रॉयल सोसायटी ने खुराना को नोबेल पुरस्कार दिया था।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com